लोक टुडे

विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

PK टाइम्स

pktimesnews.com
loktodaynews.com
PK Times News
thepktimesofficial
pk_timesofficial

वर्ष: 12 | अंक: 286 | मूल्य: 1.00 रुपए | पृष्ठ: 4 | रविवार, 03 मई, 2026 | RNI No. RAJHIN/2013/50649

कॉपर वायर चोरी गैंग के सरगना सहित 8 गिरफ्तार

जयपुर

जवाहर नगर थाना पुलिस ने बीएसएनएल की भूमिगत केबल से कॉपर वायर चोरी करने वाली संगठित गैंग का खुलासा करते हुए 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी ईस्ट रंजिता शर्मा ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह पूरी तरह योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम देता था। गिरोह का सरगना नूर आलम उर्फ गुड्डु भूमिगत केबल और पाइपलाइन बिछाने के कार्य से जुड़ा होने के कारण उसे जमीन के नीचे बिछी केबलों की सटीक जानकारी थी। इसी तकनीकी जानकारी का फायदा उठाकर वह चोरी की योजना बनाता था। उसके द्वारा उक्त कार्य में भूमिगत मशीन चलाने के कार्य में दक्ष शातिर आरोपी आरिफ इस्लाम उर्फ राजा को शामिल किया गया। आरोपी आरिफ इस्लाम उर्फ राजा ने उक्त कार्य में लेबर अपने भाई राहुल इस्लाम से कहकर अपने गांव पश्चिम बंगाल से बुलवाई। सभी आरोपियों ने संगठित गिरोह के सदस्यों के रूप में समुह में टोली बनाकर जवाहर नगर जयपुर स्थित बीएसएनएल की भूमिगत केबल को खोदकर उसमें से केबल निकाल कर केबल को जलाकर उसमें मौजूद तांबा निकाल कर बेचान कर मोटा मुनाफा प्राप्त किया गया।

ईडी की 2025-26 में सबसे ज्यादा 2,892 रेड

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने साल 2025-26 में इतिहास में सबसे ज्यादा छापेमारी की। एजेंसी ने कुल 2,892 छापे मारे, जो पिछले साल 1,491 के मुकाबले लगभग दोगुने हैं। ईडी की सालाना रिपोर्ट 2025-26 के मुताबिक मनी लॉन्ड्रिंग के तहत गिरफ्तारियों में कमी आई। वहीं संपत्ति अटैचमेंट और पीड़ितों को पैसे लौटाने के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई। ईडी ने 712 प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर जारी कर 81,422 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की। यह पिछले साल के 30,036 करोड़ रुपए के मुकाबले 171' ज्यादा है।

राहत : एडमिट कार्ड के खेल को खत्म करेगा ऑनलाइन पंजीकरण, जल्द जारी होंगे आधिकारिक आदेश

परीक्षा के दिनों की अफरा-तफरी होगी खत्म

रोडवेज ला रहा है ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टम

मनोहरसिंह खोखर। जयपुर

राजस्थान रोडवेज ने प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए मुफ्त सफर के नियमों में बदलाव की तैयारी कर ली है। जहां पहले परीक्षार्थी बस में एडमिट कार्ड दिखाकर मुफ्त यात्रा कर लेते थे, लेकिन अब उन्हें फ्री यात्रा का लाभ लेने के लिए रोडवेज के विशेष ऑनलाइन पोर्टल पर पहले से पंजीकरण करना अनिवार्य होगा। सूत्रों में मुताबिक इसके लिए रोडवेज ने पूरी तैयारी कर ली है, केवल आदेश का इंतजार है। आदेश जारी होने के बाद ये पूर्णत लागू हो जाएगा। रोडवेज ऐसी प्रक्रिया इस लिए कर रहा है, क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान होने वाली भारी भीड़ को व्यवस्थित किया जाए तथा फर्जीवाड़े पर अंकुश लग सके। रोडवेज की ओर से इस नई व्यवस्था पर अभी ट्रायल (परीक्षण) कर रहा है, जल्द ही आदेश जारी कर इसे अमलीजामा पहनाया जाएगा। विभाग का मुख्य उद्देश्य बस स्टैंडों पर होने वाली अफरा-तफरी को कम करना और डेटा को डिजिटल रूप से मैनेज करना है।

परीक्षार्थी के साथ आमजन को भी मिलेगी राहत

नई व्यवस्था पर अभी परीक्षण जारी :

ट्रायल का आधार : वर्तमान में विभाग यह देख रहा है कि पोर्टल एक साथ हजारों परीक्षार्थियों के ट्रैफिक को संभाल पाता है या नहीं और क्या ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र इसे आसानी से उपयोग कर पा रहे हैं।

अमलीजामा : ट्रायल सफल होने के बाद रोडवेज प्रबंधन की ओर से आधिकारिक अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके बाद भविष्य में होने वाली सभी बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए यह प्रक्रिया अनिवार्य हो जाएगी।

सुविधा: आदेश लागू होने के बाद छात्रों को बस स्टैंड की खिड़की पर लंबी लाइनों में लगने की जरूरत नहीं होगी, वे अपने मोबाइल से ही 'जीरो फेयर' टिकट के लिए रजिस्टर कर सकेंगे।

ट्रायल सफल रहा तो लागू होगी ये प्रक्रिया :

नई व्यवस्था के तहत परीक्षार्थियों को फ्री यात्रा का लाभ लेने के लिए रोडवेज के विशेष ऑनलाइन पोर्टल पर पहले से पंजीकरण करना अनिवार्य होगा। बिना रजिस्ट्रेशन के केवल प्रवेश पत्र दिखाने पर मुफ्त यात्रा की अनुमति नहीं मिलेगी। परीक्षार्थियों को अपनी परीक्षा के समय से कम से कम 36 घंटे पहले पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी और एडमिट कार्ड विवरण दर्ज करना होगा। रजिस्ट्रेशन के दौरान एडमिट कार्ड का विवरण पोर्टल पर दर्ज करते ही अभ्यर्थी की पहचान सत्यापित हो जाएगी, जिसके बाद उन्हें यात्रा के लिए अधिकृत किया जाएगा। सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन के बाद ही बस परिचालक या बुकिंग क्लर्क द्वारा शून्य राशि का टिकट जारी किया जाएगा। यात्रा के दौरान मूल प्रवेश पत्र और एक फोटो युक्त आईडी कार्ड साथ रखना अभी भी अनिवार्य है। यह सुविधा केवल रोडवेज की साधारण और द्रुतगामी बसों में राजस्थान राज्य की सीमा के भीतर और परीक्षा से दो दिन पहले तथा दो दिन बाद तक ही मान्य होगी।

फर्जीवाड़े पर लगेगा अंकुश :

राजस्थान रोडवेज में नि:शुल्क परीक्षा यात्रा योजना के तहत हो रहे फर्जीवाड़े को रोकने के लिए हाल ही में ऑपरेशन क्लीन राइड के जरिए कई बड़े खुलासे हुए हैं। जांच में सामने आया है कि यह कोई छिटपुट घटना नहीं, बल्कि एक संगठित सिंडिकेट है जो राजस्व को भारी चपत लगा रहा है। झालावाड़ और कोटा जैसे जिलों में एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है जो परीक्षार्थियों के एडमिट कार्ड इकट्ठा कर उन्हें रोडवेज के संविदाकर्मियों (कंडक्टरों) को सप्लाई करता था। कंडक्टर यात्रियों से पूरा किराया वसूलते थे, लेकिन रिकॉर्ड में उन्हें 'परीक्षार्थी' दिखाकर शून्य राशि का टिकट काट देते थे। जांच में पाया गया कि कुछ बस कर्मचारी अपने कुल राजस्व लक्ष्य का 50' से 75' हिस्सा इसी तरह फर्जी फ्री टिकट दिखाकर अपनी जेब में भर रहे थे। ऐसे में रोडवेज को इसे रोकना के लिए नई व्यवस्था करना जरूरी हो गया था।

जल्द जारी होगा आधिकारिक आदेश :

“बिल्कुल राजस्थान रोडवेज प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए मुफ्त सफर के नियमों में बदलाव कर रहा है। फ़िलहाल इसका परिक्षण चल रहा है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद फर्जीवाड़े पर भी रोक लगेगी तथा आमजन को भी यात्रा के दौरान परेशानी नहीं होगी। जल्द ही इसका आधिकारिक आदेश जारी हो जाएगा।

- प्रेमचंद बैरवा, उप मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री।

परीक्षाओं के दिनों में बिगड़ जाती व्यवस्था :

परीक्षा के दिनों में राजस्थान रोडवेज में होने वाली भारी भीड़ न केवल परीक्षार्थियों, बल्कि आम जनता के लिए भी बड़ी समस्या बन जाती है। सरकार द्वारा परीक्षार्थियों के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा दिए जाने के कारण बस स्टैंडों पर अक्सर अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है। परीक्षा के दिनों में बसों में परीक्षार्थियों की संख्या इतनी बढ़ जाती है कि वे सीटों के अलावा गेट पर लटककर या छतों पर बैठकर यात्रा करने को मजबूर होते हैं। इससे आम यात्रियों को जगह नहीं मिल पाती और उन्हें घंटों बस स्टैंड पर इंतजार करना पड़ता है। राजस्थान रोडवेज के पास वर्तमान में लगभग 3,200 बसें ही संचालित हैं, जिनमें से कई पुरानी और कंडम हालत में हैं। जब लाखों परीक्षार्थी एक साथ सफर करते हैं, तो यह सीमित बेड़ा पूरी तरह से दबाव में आ जाता है। वही भारी भीड़ के कारण दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है और बस स्टैंडों पर पुलिस और प्रशासन के दावे फेल साबित होते नजर आते हैं।

जबलपुर क्रूज हादसा

एनडीआरएफ ने दो बच्चों के शव निकाले:बेटे की आखिरी जिद याद कर रो पड़े विराज के पिता; अब तक 11 मौतें, दो लापता

लोक टुडे

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में हुए क्रूज हादसे में शनिवार को रेस्क्यू के दौरान दो बच्चों के शव बरामद किए गए। इनमें श्रीतमिल (5) पिता कामराज और विराज सोनी (5) शामिल हैं।

विराज का शव शनिवार शाम करीब 6 बजे घटनास्थल के पास मिला, जिसे पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया। इसके साथ ही हादसे में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 11 हो गया है, जबकि अब भी कामराज और उनका भतीजा मयूरन लापता हैं। 28 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

शनिवार सुबह से सेना, ह्ष्ठक्रस्न और स्ष्ठक्रस्न की टीमें बोट और गोताखोरों की मदद से सर्चिंग में जुटी रहीं, लेकिन दोपहर बाद मौसम अचानक खराब हो गया। तेज आंधी-बारिश और ऊंची लहरों के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन बार-बार बाधित हुआ और रात में इसे रोकना पड़ा। अब रविवार सुबह फिर से लापता लोगों की तलाश शुरू की जाएगी।

धनबाद-कोयला खदान में स्लरी ढहने से 4 मजदूरों की मौत

कोल वाशरी में स्लरी लोडिंग कर रहे थे, मलबे का बड़ा हिस्सा गिरने से हादसा

लोक टुडे

धनबाद। झारखंड के धनबाद में शनिवार को कोयला स्लरी (कोयले का पाउडर) धंस गई, जिससे 4 मजदूरों की मौत हो गई। ये सभी मजदूर मुनीडीह में बीसीसीएल की कोल वाशरी में काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मलबा गिर गया। आसपास के मजदूरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव काम शुरू किया और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रशासन मौके पर पहुंचा। मलबा हटाकर चारों मजदूरों के शव बाहर निकाले गए। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। मृतक की पहचान प्रेम बाउरी, माणिक बाउरी, दीपक बाउरी और नारायण यादव के रूप में की

'माटी के लाल' हैं विकसित राजस्थान के 'शिल्पकार' कामगारों के कल्याण के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्पित : सीएम शर्मा

कुम्हार, कुमावत, प्रजापत समाज के प्रतिनिधिमंडल ने बजट घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

लोक टुडे

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। माटी कला के उत्पाद शगुन और प्रगति के प्रतीक हैं। राज्य सरकार माटी कला को प्रोत्साहित करने और इस कला से जुड़े शिल्पकारों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह कृतसंकल्पित है। मुख्यमंत्री निवास पर शनिवार को कुम्हार, कुमावत, प्रजापत समाज के प्रतिनिधिमंडल ने बजट घोषणाओं और समाज हित में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताकर अभिनंदन किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते परिवेश में माटी कला के हितधारकों की समस्याओं का निराकरण करने तथा समाज के कल्याण एवं जीवन स्तर को और अधिक बेहतर बनाने की दिशा में हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

शिल्पकारों एवं कामगारों की सामाजिक सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कारपेंटर, मूर्तिकार, कुम्हार, राजमिस्त्री सहित 18 ट्रेड के दस्तकारों को 5 प्रतिशत की दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना के तहत वर्ष 2025 तक 2 लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रशिक्षण तथा 53 हजार से अधिक लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया गया है। श्रमिकों, स्ट्रीट वेंडर्स एवं लोक कलाकारों के लिए मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना शुरू की गई है। जिसके तहत 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर इस श्रेणी के लोगों को 3 हजार रुपये मासिक पेंशन देने का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रावासों, आवासीय विद्यालयों में आवासरत एवं अध्ययनरत समाज के विद्यार्थियों को सुविधाओं के लिए दी जाने वाली मासिक राशि बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रति विद्यार्थी कर दी गई है। इसी तरह एससी, एसटी एवं ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों को कक्षा 8 उत्तीर्ण करने पर जन्म प्रमाण पत्र के साथ ही एससी/एसटी एवं ओबीसी प्रमाण पत्र देने की व्यवस्था की है।

'माटी के लाल' को मुहैया करवाए जा रहे आवश्यक संसाधन

मुख्यमंत्री ने कहा कि माटी कला से जुड़े कलाकारों के उत्थान के लिए माटी कला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। माटी कला बोर्ड के माध्यम से 1 हजार 350 माटी कला कामगारों को निशुल्क इलेक्ट्रिक चाक व मिट्टी गूंथने की मशीन के सेट उपलब्ध कराए हैं। डूंगरपुर में शिल्पग्राम बनाए जाने के लिए 9 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज में शिक्षा की अलख जगाने, युवाओं की प्रतिभा को तलाशने और तराशने के साथ साथ कौशल विकास का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने युवाओं को कुशल बनाने के लिए लगभग साढ़े 3 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया है। मुख्यमंत्री युवा संबल योजना में लगभग दो लाख युवाओं को इंटर्नशिप करवाई जा रही है। हमने 144 राजकीय आईटीआई में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि कुमावत समाज सृजन और कला से जुड़ा है तथा उन्हें वास्तुकला और शिल्पकला का वरदान है। समाज इस विरासत को संरक्षित करते हुए नई पीढ़ी को भी नई तकनीकों और कौशलों में दक्ष बनाने के लिए भी प्रयास करें। सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी, गोपालन, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कि उनके प्रयास से माटी कला पोषित और पल्लवित हो रही है। राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से माटी कला फिर से अपने गौरव को हासिल कर रही है। प्रदेश के माटी कला के कलाकार देश-दुनिया में अपने हुनर का लोहा मनवा रहे हैं। श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के नीतिगत निर्णयों से माटी कला को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा माटी कला समाज के युवाओं को स्वरोजगार के लिए मिट्टी गूंथने की मशीनें एवं इलेक्ट्रॉनिक चाक मुहैया करवाये जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'माटी राजस्थान री' पुस्तक का विमोचन किया एवं विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने के लिए कुमावत समाज की विभूतियों को 'माटी के लाल' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में माटी कला के हितधारक एवं कुमावत समाज के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

ट्रंप का बड़ा ऐलान- यूरोपीय संघ से आने वाले वाहनों पर आयात शुल्क बढ़ाकर करेंगे 25 प्रतिशत

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले हफ्ते यूरोपीय संघ से आने वाली कारों और ट्रकों पर टैरिफ को पहले से तय 15' से बढ़ाकर 25' कर देंगे। उन्होंने कहा कि इस गुट ने वॉशिंगटन के साथ हुए अपने व्यापार समझौते का पालन नहीं किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बड़ा एलान करते हुए कहा कि वे अगले हफ्ते से यूरोपीय संघ (EU) (ईयू) से आने वाली कारों और ट्रकों पर आयात शुल्क (टैरिफ) को पहले तय 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर देंगे। ट्रंप का आरोप है कि यूरोपीय संघ वाशिंगटन के साथ हुए व्यापार समझौते का पालन नहीं कर रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया और व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान अपने फैसले के पीछे ये तर्क दिए:

समझौते का उल्लंघन: ट्रंप के अनुसार, यूरोपीय संघ पूरी तरह से सहमत व्यापार सौदे का पालन नहीं कर रहा है। अमेरिकी उत्पादन को बढ़ावा: उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि ये कंपनियां अमेरिका स्थित संयंत्रों में कारों और ट्रकों का उत्पादन करती हैं, तो उन पर कोई टैरिफ नहीं लगेगा।फैक्ट्रियों का स्थानांतरण: उच्च टैरिफ का मकसद यूरोपीय कार निर्माताओं को अपनी उत्पादन इकाइयों को तेजी से अमेरिका में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर करना है।

कड़ी आलोचना: यूरोपीय संसद की अंतरराष्ट्रीय व्यापार समिति के अध्यक्ष बर्नड लैंग ने इसे 'अस्वीकार्य व्यवहार' बताते हुए अमेरिका को एक अविश्वसनीय साझेदार करार दिया।

जवाबी कार्रवाई की मांग: कुछ अर्थशास्त्रियों ने जर्मनी और यूरोपीय संघ से 'मजबूत इच्छाशक्ति' दिखाने और अमेरिकी तकनीकी कंपनियों पर टैक्स लगाने या जवाबी टैरिफ लगाने का आग्रह किया है।विवाद की पृष्ठभूमि और 'स्लो इम्प्लीमेंटेशन' क्या है।

सम्पादकीय

जिंदगी निगलती रफ्तार

देश के नीति-नियंताओं की सोच रही है कि विकास के लिए चौड़ी व रफ्तार वाली सड़कें जीवन रेखा का काम करें। हाल के वर्षों में इसी सोच के साथ राजग सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण युद्ध स्तर पर किया। देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबंधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है। खुली सड़क मिलते ही रफ्तार तेज होने लगती है, यह जानते हुए कि ये गति हमारी दुर्गति का कारण भी बन सकती है। इसके अलावा तेज स्पीड में भी फोन पर बात करते रहना और शराब पीकर वाहन चलाना भी सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाने वाला साबित हुआ है। यह विडंबना ही है कि भारत में दुनिया के अन्य विकसित व समकक्ष विकासशील देशों के अनुपात में वाहनों की संख्या तो कम है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में हम अव्वल हैं। यह आंकड़ा डराता है कि साल भर में होने वाली करीब साढ़े चार लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसके अलावा लाखों लोग घायल होते हैं। दुर्भाग्य से लाखों लोग ऐसे भी होते हैं जो जीवनपर्यंत अपंगता का शिकार हो जाते हैं। विडंबना यह भी कि सड़क दुर्घटनाओं में दम तोड़ने वाले लोगों में बड़ी संख्या युवा आबादी की है। ये युवा आबादी अपने परिवार की कमाई का मुख्य जरिया होती है, उनकी मौत पूरे परिवार को गरीबी की दलदल में धकेल देती है। यहां प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में कमी क्यों नहीं आ रही है।

नारी सशक्तीकरण का स्रोत 'उज्ज्वला'

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 10 वर्ष पूरे हो चुके हैं। यह केवल एक सरकारी योजना की दशक भर की यात्रा ही नहीं, अपितु भारत के विकास संबंधी दृष्टिकोण में आए एक बड़े परिवर्तन का जीवंत प्रमाण है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र के विकास की सबसे मजबूत आधारशिला के रूप में प्रतिष्ठित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक मई, 2016 को बलिया की क्रांतिकारी धरा से इस योजना की शुरुआत हुई थी।

उज्ज्वला योजना ने स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की। महिला सम्मान, स्वास्थ्य और गरिमा को केंद्र में रखकर विकास के एक नए सोच को भी इसने राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाया। सरकार का संकल्प सुस्पष्ट था कि शासन के केंद्र में हाशिए पर मौजूद उस अंतिम महिला को रखें, जो दशकों से रसोई के धुएं में अपना स्वास्थ्य और सपने गंवा रही थी। मोदी सरकार का यह मूल मंत्र रहा है कि स्थायी प्रगति का रास्ता देश की नारी शक्ति के जीवन की सुगमता से होकर ही गुजरता है। ग्रामीण बहनों के जीवन में आई सहजता ही वास्तव में राष्ट्रीय उन्नति का सबसे ठोस आधार है।

महिला-नेतृत्व वाले विकास का जो संकल्प प्रधानमंत्री जी ने लिया था, उज्ज्वला योजना की सफल यात्रा उसी संकल्प को साकार करते हुए करोड़ों महिलाओं के सम्मान और बेहतर जीवन का आधार बना है। स्वच्छ रसोई ऊर्जा की दिशा में यह दुनिया का सबसे बड़ा अभियान है। जिस तेजी और व्यापक स्तर पर इसे लागू किया गया, उसकी मिसाल कही नहीं। इस योजना ने करोड़ों महिलाओं की पीढ़ियों से चली आ रही कठिन दिनचर्या को बदला और उनके स्वाभिमान की पुनर्स्थापना का माध्यम बनी। यह योजना 'सबका साथ, सबका विश्वास' के मंत्र को व्यवहारिक रूप देने वाली सरकार की प्रारंभिक और सबसे प्रभावशाली जनकल्याणकारी पहलों में एक मानी जाती है, जिसने विकास को समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाने का कार्य किया।

उज्ज्वला से पहले की तस्वीर बहुत चुनौतीपूर्ण थी। अप्रैल 2015 तक भारत में एलपीजी का दायरा 56.2 प्रतिशत परिवारों तक ही सीमित था। यह एक विडंबना थी कि बिजली तो गांवों तक पहुंच रही थी, लेकिन रसोई का ईंधन अब भी सदियों पुराना था। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 के अनुसार उस समय 44 प्रतिशत परिवार ही स्वच्छ ईंधन का उपयोग कर पा रहे थे। उज्ज्वला ने इस खाई को पाटने का काम किया। इसके तहत कम आय वाले परिवारों की महिलाओं के नाम पर बिना किसी सुरक्षा राशि के गैस कनेक्शन दिए गए। अगस्त 2018 में पांच करोड़ कनेक्शन का पहला लक्ष्य हासिल हुआ। इसे 2019 तक बढ़ाकर आठ करोड़ कर दिया गया। उज्ज्वला 2.0 ने उन प्रवासी परिवारों की चिंता भी दूर कर दी, जिनके पास स्थायी पते का प्रमाण नहीं था।

1 मार्च 2026 तक 10.56 करोड़ महिलाएं इस योजना की लाभार्थी बन गईं। इस योजना की सफलता सिर्फ कनेक्शन देने तक ही सीमित नहीं। इसके साथ ही गैस वितरण की व्यवस्था का भी व्यापक विस्तार हुआ। 2014 में देश में कुल 14.52 करोड़ गैस कनेक्शन थे। यह संख्या नवंबर 2024 तक बढ़कर 32.83 करोड़ हो गई। गैस वितरकों की संख्या लगभग दोगुनी हो चुकी है।

इनमें से ज्यादातर केंद्र ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में खोले गए। पिछड़े क्षेत्रों में एलपीजी ढांचे को मजबूत करने में तेल विपणन कंपनियों ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई। इसमें जन-धन, आधार और मोबाइल की तिकड़ी ने पारदर्शिता के साथ सार्थक भूमिका निभाई। इसके जरिये

सब्सिडी का पैसा सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचने लगा। बीच के सभी रिसाव दूर किए गए।

स्वच्छ ईंधन का सबसे गहरा और सकारात्मक असर महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ा। लकड़ी और उपलों के धुएं से होने वाली बीमारियां महिलाओं और बच्चों के लिए हमेशा से एक बड़ा जोखिम रही हैं। उज्ज्वला ने इस संकट को जड़ से मिटाने का काम किया। जहां भी इस योजना का विस्तार हुआ, वहां श्वसन संबंधी बीमारियों में भारी कमी दर्ज की गई। यह एक मूक स्वास्थ्य क्रांति की तरह है, जिसने महिलाओं को चूल्हे के धुएं की गुलामी से आजाद किया। समय की बचत भी इस योजना का एक और क्रांतिकारी पहलू है। ईंधन जुटाने और पारंपरिक चूल्हे पर खाना पकाने में लगने वाले घंटों की बचत ने महिलाओं को एक नया आकाश दिया। अब वे उस बचे हुए समय का उपयोग आर्थिक गतिविधियों में कर पा रही हैं। कई महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ रही हैं या छोटे व्यवसाय शुरू कर रही हैं। जब घर में सुविधा बढ़ती है, तो वह सशक्तीकरण की ओर ले जाती है। महिलाओं के पास समय होने से बेटियों की शिक्षा और उनके भविष्य पर भी बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

अब जब यह योजना अपने दूसरे दशक में प्रवेश कर रही है, तो सरकार का पूरा ध्यान इसके निरंतर उपयोग पर है। यह बहुत सुखद है कि उज्ज्वला लाभार्थियों में गैस की खपत काफी बढ़ी है। साल 2019-20 में यह औसतन तीन सिलिंडर थी, जो 2025-26 में बढ़कर लगभग पांच सिलिंडर तक पहुंच गई। यह बदलाव बताता है कि लोग अब स्वच्छ ऊर्जा को अपनी आदत बना रहे हैं। सरकार भी लक्षित सब्सिडी और छोटे सिलिंडर जैसे विकल्पों के जरिये सुनिश्चित करने में लगी है कि लागत कभी बाधा न बने। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है कि स्वच्छ रसोई का यह सफर स्थायी बने।

प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण में महिला सशक्तीकरण केवल एक नीतिगत नारा नहीं, बल्कि यह एक ऐसी व्यवस्था है, जो जमीनी स्तर पर परिणाम देती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लेकर बजट में महिलाओं के लिए बढ़ी हुई हिस्सेदारी तक, हर कदम इसी दिशा में है। इसी क्रम में उज्ज्वला योजना भी इसका प्रमाण बनी कि जब नीतियां संवेदनशीलता के साथ बनती हैं, तो करोड़ों जिंदगियों को बदल देती हैं। धुएं से आजादी और रसोई में सम्मान की बहाली ही विकसित भारत की सच्ची पहचान है। जब घर की रसोई में सुविधा का उजाला होता है, तो पूरा देश आगे बढ़ता है। उज्ज्वला योजना भारत की नारी शक्ति के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

साइबर ठगों के साथी

कानपुर में चार बैंक मैनेजरों समेत आठ साइबर ठगों की गिरफ्तारी इस आशंका की पुष्टि करती है कि बैंक कर्मियों और आनलाइन ठगी करने वालों में मिलीभगत कायम हो गई है। आमतौर पर साइबर ठग ठगी की रकम इधर-उधर करने के लिए किसी अन्य के खातों यानी म्यूल खातों का सहारा लेते हैं। ऐसे तमाम खाते बैंक अधिकारियों की साठगांठ से खुलते हैं।

कानपुर का प्रसंग पहला ऐसा प्रकरण नहीं, जिसमें साइबर ठगी के किसी मामले में बैंक अधिकारियों की भूमिका पाई गई हो। हाल के समय में इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं, जो यह बताते हैं कि बैंक अधिकारी साइबर ठगों से मिलकर फर्जी या म्यूल खाते खुलवाते हैं। कुछ समय पहले लखनऊ में एक बैंक मैनेजर समेत चार लोगों को साइबर धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह तेलंगाना पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर साइबर ठगों से मिलीभगत में दो बैंकों के मैनेजरों को गिरफ्तार किया था। ये बिना सत्यापन के खाते खुलवाते थे और इसके बदले साइबर ठगों से कमीशन लेते थे। कुछ बैंक मैनेजर डिजिटल अरेस्ट के जरिये की जाने वाली ठगी के मामले में भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। साइबर ठगी के मामलों में बैंकों की संदिग्ध भूमिका का सबसे पहले उल्लेख सुप्रीम कोर्ट ने तब किया था, जब वह डिजिटल अरेस्ट के नाम पर की जाने वाली ठगी के मामलों की सुनवाई कर रहा था। उसके आदेश-निर्देश के बाद साइबर ठगों के खिलाफ सख्ती बरतनी शुरू हुई और उनकी गिरफ्तारियां भी हुईं। इसके अतिरिक्त रिजर्व बैंक के निर्देश पर भी बैंकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके ऐसी पहल शुरू की, जिससे ठगी का पैसा द्रुत गति से एक खाते से दूसरे और दूसरे से तीसरे में हस्तांतरित हो तो बैंकों को इसकी भनक लग जाए, पर यह ध्यान रहे कि साइबर ठग धोखाधड़ी के नए-नए तौर-तरीके इस्तेमाल करने में माहिर हैं। चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि साइबर ठग आनलाइन धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए सक्रिय एजेंसियों को मात देने के लिए अपने तौर-तरीके बदल सकते हैं, इसलिए उन्हें सतर्क रहना होगा। वैसे भी यह देखने को मिलता रहा है कि पुलिस एवं अन्य एजेंसियां डाल-डाल हैं तो साइबर ठग पात-पात।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट राष्ट्रहित में है, इसका विरोध करना चाईना का खुलकर समर्थन करने जैसा है

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ग्रेट निकोबार द्वीप पर प्रस्तावित विकास परियोजना को लेकर देश में तीखी बहस छिड़ गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस परियोजना को देश की प्राकृतिक और जनजातीय विरासत के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध और घोटाला बताया है। उन्होंने अपने दौरे के बाद कहा कि यहां के घने जंगल, जो सदियों में विकसित हुए हैं, अब बड़े पैमाने पर काटे जाने के खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 160 वर्ग किलोमीटर वर्षावन क्षेत्र को समाप्त किया जाएगा और लाखों पेड़ों की कटाई होगी, जिससे स्थानीय आदिवासी समुदायों का अस्तित्व भी संकट में पड़ सकता है। राहुल गांधी ने इसे विकास के नाम पर विनाश बताया और कहा कि वह इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे। उनका आरोप है कि स्थानीय समुदायों की सहमति के बिना उनकी जमीन और संसाधनों को छीना जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि कांग्रेस की ओर से पहले भी इस परियोजना को लेकर चिंता जताई गई थी, जिसमें इसे शोंपेन जनजाति और द्वीप के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए खतरा बताया गया। सोनिया गांधी ने इस मुद्दे को उठाते हुए समाचार-पत्रों में एक विस्तृत लेख लिखा था। दूसरी ओर, इस परियोजना को देश की सामरिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नीति आयोग द्वारा तैयार और केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत इस योजना की लागत लगभग 81000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसमें चार प्रमुख घटक शामिल हैं, जिनमें एक विशाल ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, ऊर्जा संयंत्र और सैन्य ढांचे का विस्तार शामिल है। हम आपको बता दें कि ग्रेट निकोबार की भौगोलिक स्थिति इसे विशेष बनाती है। यह मलक्का जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार के पास स्थित है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक है। चीन का लगभग 80 प्रतिशत तेल आयात और उसका बड़ा व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र में भारत की मजबूत उपस्थिति उसे सामरिक बढ़त दिला सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि गैलेथिया खाड़ी में बनने वाला बंदरगाह भारत को वैश्विक समुद्री व्यापार में नई पहचान दिला सकता है। हम आपको बता दें कि वर्तमान में भारत का लगभग 25 प्रतिशत माल विदेशी बंदरगाहों के माध्यम से स्थानांतरित होता है, जिससे आर्थिक नुकसान होता है। इस परियोजना के पूरा होने पर भारत इस निर्भरता को समाप्त कर सकता है और अपनी समुद्री शक्ति को मजबूत कर सकता है। चीन की रणनीति को देखते हुए यह परियोजना और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। पिछले दो दशकों में चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में कई बंदरगाह विकसित किए हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स कहा जाता है। इनमें पाकिस्तान का ग्वादर, श्रीलंका का हम्बनटोटा और म्यांमार का क्याउकफ्यू शामिल हैं। इनका उद्देश्य समुद्री मार्गों पर प्रभाव बढ़ाना और भारत को घेरना है।

इसके जवाब में भारत ने भी अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर समुद्री रणनीति विकसित की है, जिसे नेकलेस ऑफ डायमंड्स कहा जाता है। इसमें ओमान, इंडोनेशिया और सेशेल्स जैसे देशों में बंदरगाहों तक पहुंच और सैन्य सहयोग शामिल है। ग्रेट निकोबार इस रणनीति का केंद्र बिंदु माना जा रहा है। इसके अलावा, हाल के अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम भी इस परियोजना के महत्व को रेखांकित करते हैं। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के उपयोग से वैश्विक तेल आपूर्ति पर प्रभाव डालने की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि समुद्री मार्गों पर नियंत्रण किसी भी देश के लिए कितना शक्तिशाली साधन हो सकता है। इस स्थिति में यदि भारत मलक्का जलडमरूमध्य के पास अपनी स्थिति मजबूत करता है, तो यह उसे वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बना सकता है। मोदी सरकार का कहना है कि परियोजना को पर्यावरणीय और सामाजिक सुरक्षा मानकों के तहत स्वीकृति दी गई है। शोंपेन जनजाति की सुरक्षा के लिए विशेष नीतियां, निगरानी तंत्र और अन्य उपाय लागू किए गए हैं। सरकार के अनुसार परियोजना द्वीप के कुल क्षेत्रफल के सीमित हिस्से पर ही आधारित है और विकास तथा संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया गया है। हम आपको यह भी बता दें कि इस परियोजना का विरोध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हो रहा है। कुछ विदेशी संगठनों ने इसे जनजातीय अस्तित्व के लिए खतरा बताया है। लेकिन इस परियोजना के रणनीतिक महत्व को देखते हुए यह साफ नजर आ रहा है कि चीन के समर्थक कभी नहीं चाहेंगे कि भारत की यह परियोजना साकार रूप ले सके। उधर, रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना राष्ट्रीय महत्व की है और इस पर आगे बढ़ने का समय आ गया है। पूर्व वायुसेना प्रमुख आर.के.एस. भदौरिया ने विभिन्न साक्षात्कारों और समाचारपत्रों में अपने आलेखों के जरिये इस परियोजना की महत्ता पर प्रकाश डाला है। उन्होंने लिखा है कि विपक्ष के नेता ने हाल में इस द्वीप का दौरा किया और सोशल मीडिया के माध्यम से परियोजना को इकोलॉजी और पर्यावरण के विनाश का कारण बताते हुए एक बड़ा घोटाला और %राष्ट्रीय धरोहर के खिलाफ अपराध करार दिया। उन्होंने लिखा है कि पर्यावरण की चिंता होना स्वाभाविक है, लेकिन जब राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और भविष्य की रणनीतिक दिशा की बात हो, तो तस्वीर का केवल एक हिस्सा देखना उचित नहीं लगता। यह परियोजना देश के भविष्य की एक सख्त सामरिक और आर्थिक आवश्यकता है।

विशेष आलेख /राशिफल

ऊर्जा-आत्मनिर्भरता की राह में बड़ा कदम

स्वदेशी डिजाइन से निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल को सफलतापूर्वक अपनी प्रथम 'क्रिटिकैलिटी' प्राप्त की है। अब भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थोरियम, दीर्घकालीन परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में हाल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। तमिलनाडु के कल्पक्कम में स्वदेशी डिजाइन से निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल को सफलतापूर्वक अपनी प्रथम 'क्रिटिकैलिटी' प्राप्त की, जो नाभिकीय चेन रिएक्शन की शुरुआत है। यह प्रोटोटाइप एफबीआर 500 मेगावाट विद्युत (एमडब्ल्यूई) रिएक्टर है, जिसे भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) ने तमिलनाडु के कल्पक्कम नाभिकीय परिसर में निर्मित किया है।

यह तकनीक नाभिकीय ऊर्जा में यूरेनियम पर निर्भरता कम करेगी। इस उपलब्धि के साथ, भारत अपने तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रवेश कर गया है, जिसकी परिकल्पना डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने की थी। वैश्विक स्तर पर भी यह महत्वपूर्ण परिघटना है। इसके पूर्ण संचालन में आने के बाद, रूस के बाद भारत, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर का संचालन करने वाला, दुनिया का दूसरा देश बन जाएगा।

ईरान-युद्ध के आर्थिक दुष्प्रभावों के साथ, दुनियाभर के देश ऊर्जा सुरक्षा की तलाश में हैं। ज्यादातर देश कोयले और पेट्रोलियम के रूप में फॉसिल फ्यूल के सहारे हैं, पर अब उनके खत्म होने का समय है। वैसे भी उनके पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को देखते हुए विकल्पों की तलाश चल रही है। पनबिजली, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे विकल्पों की तुलना में नाभिकीय ऊर्जा सबसे आगे है, क्योंकि बड़े स्तर पर वही जरूरत पूरी कर सकती है। उसके साथ भविष्य के तकनीकी विकास भी जुड़े हैं, जो नए विकल्पों को खोलेंगे।

अमेरिका के वैज्ञानिकों ने हाल में संलयन (फ्यूज़न) ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त घोषणा की है। व्यावसायिक रूप से इस पद्धति से बिजली बनाने में अभी कई दशक लगेंगे, पर भविष्य में यह ऊर्जा का विश्वसनीय स्रोत साबित होगा। यह बिजली भी परमाणु के नाभिकीय में छिपे ऊर्जा स्रोत पर आधारित होगी, पर अभी प्रचलित विखंडन पर आधारित नाभिकीय ऊर्जा से एकदम अलग और सुरक्षित होगी।

नाभिकीय ऊर्जा स्वच्छ है, पर उसके साथ दुर्घटनाओं के जोखिम हैं। इस वजह से जर्मनी ने 2023 में परमाणु विखंडन (फ़िज़न) को छोड़ने का फैसला किया है। वह भी परमाणु संलयन तकनीक पर भारी निवेश कर रहा है, जिसे वह भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा के रूप में देखता है। जापानी नेतृत्व ने 2011 की फुकुशिमा आपदा से पैदा हुई सार्वजनिक चिंताओं के बावजूद अब परमाणु ऊर्जा को फिर से अपनी प्राथमिकता बनाया है। ईरान युद्ध ने, उनके परमाणु संयंत्रों को फिर से खोलने और नए संयंत्र बनाने की बातें हैं। दक्षिण कोरिया पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा उत्पादकों में से एक है। वह भी अपनी असैनिक-परमाणु क्षमता का विस्तार कर रहा है। भारत में परमाणु ऊर्जा के सतत विकास के लिए फास्ट ब्रीडर की अनिवार्यता को डॉ. होमी भाभा ने 1950 के दशक में ही समझ लिया था।

उन्होंने माना कि भारत में यूरेनियम के सीमित भंडार नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम को लंबे समय तक चला नहीं पाएंगे। उन्होंने यूरेनियम के कुशल उपयोग के लिए ब्रीडर प्रणाली का सुझाव दिया। भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थोरियम, दीर्घकालीन परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पीएफबीआर परियोजना की गतिविधियां 2003 में शुरू हुईं और उसी वर्ष 'भाविनी' नामक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की स्थापना हुई। प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में क्रिटिकैलिटी केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं है। यह भारत के दीर्घकालिक परमाणु विज़न की परिपक्वता और उसकी स्वदेशी क्षमताओं की मजबूती को दर्शाती है।

सीमित यूरेनियम संसाधनों से लेकर थोरियम-संचालित भविष्य तक, भारत का तीन-चरणीय कार्यक्रम अब क्रियान्वयन की दिशा में बढ़ रहा है। कल्पक्कम नाभिकीय परिसर में हुई प्रगति उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकियों में भरोसे को दर्शाती है।

जैसे-जैसे क्षमता का विस्तार होगा और नई प्रौद्योगिकियां आकार लेंगी, परमाणु ऊर्जा भारत के ऊर्जा मिश्रण में कहीं अधिक केंद्रीय भूमिका निभाने लगेगी। इस समय रूस ही फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर) संचालित कर रहा है। हालांकि, कई देशों ने प्रायोगिक फास्ट रिएक्टर विकसित या संचालित किए हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, जर्मनी और चीन शामिल हैं, पर इनमें से ज्यादातर कार्यक्रम बंद हैं। इनकी लागत और तकनीकी सुरक्षा आड़े आई, पर भारत ने इन दिक्कतों पर काबू पाया है, क्योंकि यह तकनीक ही हमारी मददगार है। भारत के पास सीमित यूरेनियम भंडार हैं, लेकिन थोरियम के विश्व के सबसे बड़े भंडारों में से एक है।

क्या कहते है आपके सितारें....?

मेष आज का दिन बहुत अच्छी तरह से गुजरेगा। शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। दोस्तों और स्नेहीजनों के साथ आनंददायी भेंट होगी।

सिंह विभिन्न योजनाओं से संबंधित विचारों की अधिकता से आप दुविधा में रहेंगे। हालांकि, परिजनों के साथ से आपकी प्रसन्नता में वृद्धि होगी। दूर स्थित व्यक्ति या संस्था के साथ संबंधों में दृढ़ता आएगी।

धनु आज भाइयों से लाभ होगा। दोस्तों से मुलाकात और स्वजनों से खुशी मिलेगी। किसी सुंदर स्थल पर प्रवास की संभावना है। आज आपको हर काम में सफलता प्राप्त होगी। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी।

वृषभ आज आप ज्यादा इमोशनल ना हों और ना ही कोई नया रिश्ता बनाने की ओर अग्रसर हों। किसी बीमारी के कारण मन में चिंता रहेगी। ज्यादा सोचने के कारण मानसिक थकान का अनुभव हो सकता है।

कन्या आज का दिन शुभफल देने वाला है। गृहस्थ जीवन में आनंद छाया रहेगा। प्रत्येक कार्य में सफलता प्राप्त होगी। अधिकारी आप पर प्रसन्न रहेंगे। पिता और बड़ों से लाभ होने की संभावना है। व्यावसायिक कामों को लेकर कहीं जाना पड़ सकता है।

मकर आज आपको वाद-विवाद में सफलता मिलेगी। आप की वाणी किसी को मोहित करेगी और वह आप के लिए लाभदायी रहेगा। नए संबंध बनेंगे, जो आगे आपके काम आएंगे। विद्यार्थियों की पढ़ने-लिखने में रुचि बढ़ेगी।

मिथुन आपका आज का दिन आनंदप्रद रहेगा। आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। व्यावसायिक क्षेत्र में भी कुछ काम कर सकेंगे। आज आपके संपर्क में वृद्धि होगी। आपके क्षेत्र के बाहर के लोगों के साथ भी संचार अधिक रहेगा।

तुला क्रोध पर संयम रखें। संभव हो तो वाद-विवाद से दूर रहें। परिजनों के साथ किसी बात पर विवाद होने की संभावना है। स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। दुर्घटना की भी आशंका है। कोर्ट-कचहरी के काम में सावधानी बरतें।

कुंभ आज का दिन आपके लिए लाभकारी और शुभफलदायी है। सांसारिक सुख प्राप्त होगा। विवाहोत्सुकों के लिए विवाह के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में भी विशेष लाभ होगा। अधिकारी आपके काम से खुश रहेंगे।

कर्क आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलदायी है। बौद्धिक काम और व्यावसायिक क्षेत्र में आप नए विचारों से प्रभावित होंगे। आप अपनी सृजनशक्ति का भी परिचय देंगे। इसके बावजूद मानसिक रूप से आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा।

वृश्चिक नियम विरुद्ध कामों से आप दूर रहें। वाणी पर संयम बरतें। इससे पारिवारिक विवाद को आप टाल सकेंगे। प्रत्येक व्यक्ति, वस्तु या घटना को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने की जरूरत है। खर्च अधिक होने के कारण धन का संकट रहेगा।

मीन आज मनोरंजन और आनंद-प्रमोद में आप डूबे रहेंगे। कलाकार, लेखक आदि को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। पार्टनरशिप के काम में आपको लाभ होगा। स्वजनों, मित्रों के साथ पर्यटन का आनंद ले सकेंगे।

राघव जुयाल को 'किस' करने में अनकम्फ़र्टेबल थीं शक्ति मोहन, बोलीं- रेमो डिसूज़ा देते थे बढ़ावा

डांस कोरियाग्राफर शक्ति मोहन ने शो के दौरान राघव जुयाल के साथ हुए एक किसिंग मोमेंट पर अपना जवाब दिया है। शक्ति ने कहा कि वो बिल्कुल भी कम्फ़र्टेबल नहीं थीं। रेमो डिसूजा इसे बढ़ावा दे रहे थे।डांस कोरियाग्राफर शक्ति मोहन ने हाल में अपने और राघव जुयाल की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री के बारे में बात की। दोनों एक रियलिटी को के के सीजन में देखे गए थे। शक्ति उस शो की जज थीं और राघव ने होस्ट बनकार

ऑडियंस को एंटरटेन किया था। इसी दौरान दोनों के बीच रोमांटिक केमिस्ट्री दिखाई गई थी जिसे ऑडियंस ने पसंद किया था।

अब शक्ति ने बताया कि बिहाइंड द सेट राघव और वो भाई-बहन की तरह झगड़ते थे। फिर शो में ये रोमांटिक एंगल दिखा दिया जाता था जो अजीब था। शक्ति इ ये भी बताया कि वो राघव को किस करने को लेकर कम्फ़र्टेबल नहीं थीं।

मेकर्स ने बनाया रोमांटिक एंगल–हाल में सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में शक्ति ने राघव के करियर और बढ़ते ग्राफ के बारे में बात करते ह्यते कहा कि उन्हें अच्छा लगता है कि उनका साथी जीत रहा है। उन्होंने कहा कि वो एक अलग लेवल का इंसान है। शक्ति ने कहा कि वो एक अलग सोच का लड़का है। आगे शक्ति ने ये भी स्वीकार किया कि उनके शो के दौरान दोनों के बीच का रोमांटिक एंगल बनाया गया था। उन्होंने कहा, शो से पहले हम अछे दोस्त थे। भाई-बहन की तरह झगड़ते थे। फिर अचानक रोमांटिक एंगल शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि ये स्क्रिप्ट का हिस्सा था कि वो मुझे चिढ़ाएगा। ये बहुत ही अजीब ट्रांजीशन था। शक्ति ने कहा अक्सर लोग मुझे मिसेज जुयाल बोलकर मजाक उड़ाते थे। इसके जवाब में राघव कहते थे कि वो मिस्टर मोहन क्यों नहीं बन सकते। ये सोच सिर्फ राघव की हो सकती है।

रेमो डिसूजा बढ़ावा देते थे–आगे शक्ति ने एक ऐसे मोमेंट की बात की जिसने उन्हें अनकम्फ़र्टेबल कर दिया। शक्ति ने कहा कि सेट पर एक किस मोमेंट क्रिएट किया गया था। उन्हें इस बारे में कुछ नहीं पता था। उन्हें बोला गया था कि ऐसा हो सकता है की राघव आपको किस करे। और मैं सोच रही थी क्यों? ये क्यों हो रहा है?

शक्ति ने कहा कि रेमो डिसूजा इसे इनकरेज–करते थे। शक्ति ने कहा कि वो बहुत ही आज्ञाकारी इंसान हैं और ऐसे समय पर वो अपने लिए स्टैंड नहीं ले पाई। मेरे मां-बाप ये देख रहे थे और मैंने फिर भी ये किया। आप देख सकते हैं कि मैं कितनी अनकम्फ़र्टेबल नजर आ रही हूं।

नाराज हुए थे पिता –शक्ति ने बताया कि इससे उनके पिता बहुत नाराज हुए थे। वो शो के मेकर्स से सवाल करने लगे कि ये क्यों दिखा रहे हो। मैंने उन्हें बोला कि ऐसा कुछ नहीं है। मैं राघव को राखी बांधती हूं।% शक्ति ने कहा कि इस ऑनस्क्रीन रोमांटिक एंगल का असर उनके और राघव के रिश्ते पर नहीं पड़ा। वो उनकी गर्लफ्रेंड को जानती हैं, राघव को भी उनकी लाइफ के बारे में सब पता था।

हिंदी ज़ी 5 ने मई को 'द केरल स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड' के डिजिटल प्रीमियर की घोषणा की

इस रोमांचक ड्रामा का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह ने किया है और इसका निर्माण विपुल अमृतलाल शाह ने किया है। इसमें उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया मुख्य भूमिकाओं में शामिल हैं

नई दिल्ली। थिएटर में रिलीज़ के बाद काफी चर्चा बटोरने वाली फिल्म द केरल स्टोरी 2 गोज़ बियॉन्ड अब 1 मई को हिंदी ज़ी 5 पर रिलीज़ होने जा रही है। अपनी डिजिटल रिलीज़ के साथ, यह फिल्म और भी बड़े दर्शक वर्ग तक पहुँचने का लक्ष्य रखती है, ताकि इसकी प्रभावशाली और भावनात्मक कहानी देशभर के घरों तक पहुँच सके। अपने पहले भाग से आगे बढ़ते हुए, द केरल स्टोरी 2ः गोज़ बियॉन्ड इस बार राजस्थान, मध्य प्रदेश और केरल की तीन युवा महिलाओं की व्यक्तिगत ज़िंदगी की कहानियों पर ध्यान देती है। पहली नज़र में उनकी ज़िंदगियाँ अलग-अलग लगती हैं, लेकिन एक साझा अनुभव उन्हें जोड़ता है, जहाँ कहानी की शुरुआत भरोसे और प्यार से होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह धोखे, नियंत्रण और अपने फैसलों पर अधिकार खोने तक पहुंच जाती है।असल में, यह फिल्म एक कड़ी और असहज सच्चाई की याद दिलाती है कि भावनात्मक कमजोरी का कैसे गलत फायदा उठाया जा सकता है। यह दिखाती है कि भरोसे का दुरुपयोग कितनी आसानी से हो सकता है, जिससे रिश्ते आज़ादी की जगह नियंत्रण का माध्यम बन जाते हैं। इन गहराई से जुड़ी व्यक्तिगत कहानियों के ज़रिए, फिल्म एक ऐसी जागरूक करने वाली कहानी बनकर सामने आती है, जो यह बताती है कि ऐसे अनुभव किसी भी बेटी के साथ, किसी भी घर में हो सकते हैं।

इस फिल्म का निर्माण विपुल अमृतलाल शाह ने किया है और इसका निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह ने किया है। फिल्म में अदिति भाटिया, उल्का गुप्ता और ऐश्वर्या ओझा मुख्य भूमिकाओं में हैं, जिन्होंने अपने किरदारों में गहराई और भावनात्मक संवेदनशीलता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। फिल्म के सह-निर्माता आशिन ए. शाह और रविचंद नल्लप्पा हैं, जबकि इसकी कहानी अमरनाथ झा और विपुल अमृतलाल शाह ने मिलकर लिखी है। कावेरी दास, बिज़नेस हेड हिंदी ज़ी 5 और चीफ़ चैनल ऑफिसर &TV, ने कहा मजबूत कहानियों को जिम्मेदारी और सही संदर्भ के साथ दर्शकों तक पहुँचाना हिंदी ज़ी 5 में हमारी कहानी कहने की सोच का अहम हिस्सा है। 'द केरल स्टोरी 2ः गोज़ बियॉन्ड' का डिजिटल प्रीमियर हमें इसकी भावनात्मक रूप से समृद्ध और जटिल कहानी को देशभर के दर्शकों तक पहुँचाने का अवसर देता है।

सुई गांव के सौ घर आबादी भूमि से बाहर

ग्रामीणों ने दोबारा सीमाज्ञान की मांग उठाई, बोले- आवासीय पट्टे मौजूद

महाजन। महाजन कस्बे के समीपवर्ती सुई गांव के ग्रामीणों ने आबादी भूमि के दोबारा सीमाज्ञान की मांग को लेकर नायब तहसीलदार सुंदर पाल गोदारा को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि हाल ही में जारी किए गए नक्शे में गांव के करीब सौ घर आबादी क्षेत्र से बाहर कर दिए गए हैं। ग्रामीण लीलाधर नाई ने बताया कि साल 2023 में राज्य सरकार की स्वामित्व योजना के तहत गांव की आबादी भूमि का सीमाज्ञान किया गया था। इस सीमाज्ञान के तीन साल बाद लगभग 10 दिन पहले ग्राम पंचायत कार्यालय के बाहर आबादी भूमि का नक्शा चस्पा किया गया था। इस पर आपत्तियां दर्ज कराने के लिए एक महीने का समय दिया गया था।

ग्रामीणों ने जब इस नक्शे का अवलोकन किया, तो पाया कि गांव के लगभग सौ घर आबादी भूमि से बाहर कर दिए गए हैं और उस क्षेत्र को गैर-आबादी क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। गांव की पूर्व दिशा में आबादी भूमि को कृषि भूमि के रूप में सीमांकित किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान सीमाज्ञान और राजस्व रिकॉर्ड आपस में मेल नहीं खा रहे हैं। जिन सौ घरों के क्षेत्र को गैर-आबादी घोषित किया गया है, वहां के सभी लोगों के पास 40 से 50 साल पुराने आवासीय पट्टे मौजूद हैं।

इस गंभीर त्रुटि को लेकर ग्रामीणों ने महाजन उप तहसील पहुंचकर नायब तहसीलदार सुंदर पाल गोदारा को ज्ञापन सौंपा। नायब तहसीलदार ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए तुरंत हल्का गिरदावर को ड्रोन की सहायता से सीमाज्ञान को शुद्ध करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने ग्राम विकास अधिकारी को भी इस संबंध में ज्ञापन दिया। इस अवसर पर गंगाराम, करणाराम, छेलाराम, सोहनलाल, हीरालाल, हरचंद और बसाऊ राम सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

नोखा में आंगनबाड़ी प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण

विभाग के उपनिदेशक ने किया संवाद, कुपोषण को लेकर दिए विशेष निर्देश

नोखा। महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक सुभाष बिश्नोई ने नोखा स्थित बाल विकास परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने ईसीसीई प्रशिक्षण में भाग लेते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं, पोषण कार्यक्रमों और रिकॉर्ड संधारण की समीक्षा की।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से किया संवाद

निरीक्षण के दौरान उपनिदेशक बिश्नोई ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और पोषण अभियान सहित विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। बिश्नोई ने लाभार्थियों को मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता में कोई कमी न होने पर जोर दिया।

रिकॉर्ड का बारीकी से किया अवलोकन

उन्होंने कुपोषण की समस्या पर विशेष ध्यान देने, समय पर उपचार और पोषण आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। केंद्रों पर साफ-सफाई, बच्चों की उपस्थिति और पोषण ट्रैकर ऐप में डेटा फीडिंग सहित अन्य रिकॉर्ड का भी बारीकी से अवलोकन किया गया।

ऑनलाइन अपडेट करने के निर्देश : उपनिदेशक ने सभी आंकड़ों को समय पर ऑनलाइन अपडेट करने के निर्देश दिए, ताकि योजनाओं की प्रभावी निगरानी हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी कार्मिकों को जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करना होगा। इस अवसर पर अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी दीपक शर्मा, कनिष्ठ लेखाकार प्रमोद शर्मा, कनिष्ठ सहायक माल सिंह, सुपरवाइजर कलावती सोनी, मैना चौधरी, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर गायत्री कंवर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नोखा अस्पताल में 200 बेबी किट वितरित

नवजात शिशुओं को संक्रमण से बचाने में मिलेगी मदद

नोखा। नोखा के राजकीय बागड़ी जिला चिकित्सालय में महावीर इंटरनेशनल नोखा केंद्र ने 200 हाईजेनिक बेबी किट भेंट किए। ये किट नवजात शिशुओं को संक्रमण से बचाने और मातृ एवं शिशु संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिए गए हैं। केंद्र के वीर ईश्वर चंद दूगड़ ने बताया कि ये बेबी किट हर माह अस्पताल को उपलब्ध कराए जाते हैं। इनका उद्देश्य नवजात शिशुओं को संक्रामक रोगों से बचाना और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मजबूत करना है। महावीर इंटरनेशनल नोखा केंद्र के चेयरमैन वीर सुरेन्द्र कुमार हीरावत के नेतृत्व में ये किट प्रदान किए गए। इस कार्य में इन्द्रचंद राकेशकुमार चोरड़िया परिवार, नोखा/सूरत का सहयोग रहा। किट्स को अस्पताल के प्रसूति विभाग की नर्सिंग स्टाफ मीनाक्षी और हेमलता को सौंपा गया। इस मौके पर श्याम लाल सेवग, जितेन्द्र शर्मा सहित प्रसूति विभाग के स्टाफ और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। राजकीय बागड़ी जिला अस्पताल के प्रभारी डॉ. सुनील बोथरा और प्रसूति विभाग की इंचार्ज प्रज्ञा बारूपाल ने महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस सहयोग से नवजात शिशुओं की देखभाल और सुरक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

'300 स्कूलों की बिल्डिंग बनेगी, 410 करोड़ खर्च होंगे'

मंत्री दिलावर बोले- जर्जर स्कूलों में 2 हजार करोड़ से मरम्मत के काम होंगे

कोटा। कोटा में शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने पोर्टल पर स्व जनगणना भरी। निगम उपायुक्त की मौजूदगी में मंत्री दिलावर ने जनगणना का प्रोसेस पुरा किया। सभी सवालों का जवाब भरा। इस दौरान जनसुनवाई भी की। मीडिया से बातचीत में मंत्री दिलावर ने कहा- प्रदेश में बिना बिल्डिंग के चल रही 300 स्कूलों के निर्माण के लिए सरकार ने 410 करोड़ रुपए जारी किए हैं। इसमें कोटा जिले की 6 स्कूल भी शामिल हैं। जिले में 12 करोड़ से 6 स्कूलों में बिल्डिंग निर्माण किया जाएगा। साथ ही प्रदेश की जर्जर स्कूलों में मरम्मत के लिए 2 हजार करोड़ जारी किए है। मंत्री ने बताया- अभियान चलाकर स्कूलों को पट्टे दिए जाएंगे।

दिलावर बोले- बंगाल में बीजेपी की सरकार आएगी

बंगाल में भाजपा की जीत का दावा करते हुए दिलावर ने कहा- बंगाल में बंपर वोटिंग हुई है। बदलाव की लहर चल रही थी, जो वोट में बदल गई। बीजेपी की सरकार आएगी। 4 मई को रिजल्ट आपके सामने आ जाएगा। श्रीगंगानगर में जनसुनवाई के दौरान विधायक जयदीप बिहाणी पर हुए हमले पर मंत्री दिलावर ने कहा- इस बारे में बाद में बात करेंगे।

तालाब की पाल तोड़कर मिट्टी बेचने से जितना नुकसान हुआ, सब वसूल करेंगे : कोटा जिले की जाखोड़ा पंचायत के तालाब की पाल तोड़कर मिट्टी बेचने के मामले में मंत्री दिलावर ने कहा- तत्कालीन सरपंच ने तालाब की पाल तोड़कर मिट्टी का खनन किया। तालाब का पानी निकल गया। बहुत नुकसान हुआ। जाखोड़ा के सरपंच (प्रशासक) को निलंबित कर दिया है। वहां दूसरे पंच को चार्ज देंगे। जितना नुकसान हुआ है। उसकी भरपाई तत्कालीन सरपंच (प्रशासक) से करेंगे। अभी नुकसान का आकलन किया जा रहा है। कितना पानी तालाब से निकला है। सब वसूल करेंगे। उन्होने कहा- साल 2022-23 के समय वो मंत्री नहीं थे। उस समय कांग्रेस की सरकार थी। तत्कालीन मंत्री व अधिकारियों ने इस बारे में क्या किया या नहीं किया। इस बारे में कुछ कहना नहीं चाहता। मेरे सामने जांच रिपोर्ट आई है। जांच रिपोर्ट के तथ्य बताते हैं, ये एक तरह से तालाब को नुकसान हुआ। कीमती पानी को बेकार में बहा दिया गया।

डूंगरपुर में निर्माणाधीन मकान में दौड़ा करंट

मकान मालिक और कारीगर हाई-वोल्टेज लाइन की चपेट में आए, अस्पताल में भर्ती

डूंगरपुर। डूंगरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र के माथुगामड़ा गांव में एक निर्माणाधीन मकान में काम करते समय मकान मालिक और एक कारीगर को करंट लग गया। हादसे में दोनों घायल हो गए, जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, माथुगामड़ा निवासी सूरजमल यादव के घर पर निर्माण कार्य चल रहा था। गेजी उम्बेला निवासी कारीगर सुरमाल कटारा छत की भराई के लिए सरिये बांधने का काम कर रहा था।

मकान मालिक सूरजमल भी पास खड़े होकर काम का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान, मकान के ऊपर से गुजर रही हाई-वोल्टेज विद्युत लाइन की चपेट में दोनों आ गए। करंट का झटका इतना तेज था कि दोनों अपना संतुलन खो बैठे और सीढ़ियों से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने बिना समय गंवाए दोनों घायलों को निजी वाहन की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल, दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

स्कॉर्पियो गाड़ी कर रही रेकी

शादी के विवादों के बीच मानवेंद्र सिंह को जान का खतरा

सीआईडी इंटेलिजेंस की रिपोर्ट और विदेश से मिली धमकी के बाद बढ़ाई गई थी सुरक्षा, पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल

लोक दुडे। जयपुर

पूर्व सांसद और भाजपा नेता मानवेंद्र सिंह जसोल ने शनिवार को जोधपुर दौरे पर रहे मुख्य सचिव वी श्रीनिवासन से शिष्टाचार मुलाकात करने के बाद मीडिया से मुखातिब हुए। इस दौरान उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि पिछले दो-तीन दिनों से एक संदिग्ध स्कॉर्पियो गाड़ी उनका लगातार पीछा कर रही है। उन्हें अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है। इसकी जानकारी उन्होंने पुलिस के अधिकारियों को देते हुए चिंता व्यक्त की। उल्लेखनीय है इससे पहले दिसंबर 2025 में भी ष्टद्बष्ठ इंटेलिजेंस की रिपोर्ट और विदेश से मिली धमकी के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। तब राज्य सरकार ने उनकी सुरक्षा में 24 घंटे के लिए पुलिस के चार जवान तैनात किए थे। वहीं लोग इसे उनकी कथित शादी की खबरों को जोड़कर देख रहे है। हाल ही में जसोल गांव में एक कार्यक्रम के बाद लौटते समय गुजरात नंबर (GJ02) की एक सफेद स्कॉर्पियो द्वारा उनकी गाड़ी की रेकी करने का मामला सामने आया है। सुरक्षा कर्मियों द्वारा पकड़ने की कोशिश करने पर संदिग्ध वाहन चालक तेज रफ्तार में फरार हो गया।

सुरक्षा खतरों से जुड़ाव

मारवाड़ के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में मानवेंद्र सिंह जसोल की सुरक्षा को लेकर पैदा हुए खतरों को उनकी कथित दूसरी शादी से जुड़े विवादों के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। खबरें हैं कि मानवेंद्र सिंह ने एक युवती के साथ कथित रूप से दूसरा विवाह किया है। इस खबर के बाद उनके परिवार, विशेषकर उनकी 90 वर्षीय माता शीतल कंवर और पुत्र हमीर सिंह ने सार्वजनिक रूप से इस रिश्ते का विरोध किया है और उनसे दूरी बना ली है।

एक समाज के संगठन ने इस कथित विवाह को सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ बताते हुए मानवेंद्र सिंह के सामाजिक बहिष्कार का प्रस्ताव पारित किया है। समाज के कुछ वर्गों का मानना है कि यह विवाह पारंपरिक 'बहन-बेटी' के मान-सम्मान के कोड का उल्लंघन है।

दिग्गज नेता जसवंतसिंह के पुत्र मानवेन्द्रसिंह, उतार-चढ़ाव भरा रहा राजनीतिक सफर :

मानवेंद्र सिंह जसोल राजस्थान के एक प्रमुख राजनीतिज्ञ और पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह जसोल के पुत्र हैं। वे मारवाड़ क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार से आते हैं और राजनीति में आने से पहले पत्रकारिता और भारतीय सेना (टेरिटोरियल आर्मी में कर्नल) से जुड़े रहे हैं।

पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल:

ताजा घटनाक्रम में बाड़मेर एसपी की सक्रियता के बावजूद बालोतरा पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठे हैं, क्योंकि सूचना के बाद भी संदिग्ध वाहन को पकड़ने में ढिलाई बरती गई। मामले की शिकायत अब पुलिस के आला अधिकारियों (ADG स्तर) तक पहुँच चुकी है।

शुरुआत और पहली जीत

उन्होंने अपना पहला लोकसभा चुनाव 1999 में बाड़मेर-जैसलमेर सीट से लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2004 में उन्होंने इसी सीट से भाजपा के टिकट पर सांसद बनकर अपनी पहली बड़ी जीत दर्ज की।

भाजपा से अनबन और निष्कासन

2014 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा ने उनके पिता जसवंत सिंह को टिकट नहीं दिया, तो मानवेंद्र सिंह ने पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ अपने पिता का प्रचार किया, जिसके कारण उन्हें भाजपा से निलंबित कर दिया गया।

कांग्रेस में शामिल होना

2018 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उन्होंने भाजपा छोड़ दी और कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के खिलाफ झालरापाटन से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए।

हालिया राजनीतिक स्थिति

वे अशोक गहलोत सरकार में राज्य मंत्री के स्तर के पद (सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष) पर भी रहे। अप्रैल 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले, उन्होंने बाड़मेर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में भाजपा में घर वापसी की।

विधायक के रूप में

2013 के राजस्थान विधानसभा चुनावों में वे जैसलमेर की शिव सीट से भाजपा के टिकट पर विधायक निर्वाचित हुए।

देवऋषि नारद पत्रकार सम्मान से वरिष्ट पत्रकार विभूषित

लोक दुडे। जयपुर

नारद जयंती के अवसर पर शनिवार को दिल्ली रोड लक्ष्मण डूंगरी स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित समारोह में वरिष्ठ पत्रकारों को प्रतिष्ठित 'देवऋषि नारद पत्रकार सम्मान-2026' से विभूषित किया गया। ठिकाना मन्दिर गोविंददेव जी की कृपा, आर्ष संस्कृति दिग्दर्शक ट्रस्ट व श्रीपंचमुखी हनुमान मंदिर के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रिंट, टीवी और डिजिटल माध्यम के 100 से अधिक उत्कृष्ट पत्रकारों को पत्रकारिता में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गोविंददेव जी के महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सानिध्य में कार्यक्रम में सर्वप्रथम पंचमुखी हनुमान की पूजा अर्चना करने के बाद महर्षि नारद की पूजा अर्चना और महाआरती की गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि खोजी द्वाराचार्य राम रिछपाल दास महाराज त्रिवेणी धाम, विशिष्ट अतिथि प्रेस परिषद नई दिल्ली के सदस्य बृजमोहन शर्मा, कार्यक्रम आयोजन सचिव पिंक सिटी प्रेस क्लब डायरेक्टर महंत संतोष कुमार शर्मा और मुख्य वक्ता जितेंद्र सिंह शेखावत ने आयोजन में शिरकत की। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार नवल पांडे, डॉ. मिथलेश जैमिनी, रोहित सोनी, जितेंद्र प्रधान, मतीश पारीक, नीरज मेहरा, निरंजन चौहान, कविता पंत, चंद्रप्रकाश, विनोद शर्मा, रिषपाल सिंह भारद्वाज, संजय कुमावत, दशरथ सिंह शेखावत, विजय केडिया, दिनेश शर्मा 'टिक्कू', जया गुप्ता, भूपेंद्र शर्मा, मुकेश जैन, दिनेश गौतम को उत्कृष्ट टीवी पत्रकार सम्मान से नवाजा गया। विशेष सम्मान से दिनेश शर्मा टिक्कू, कविता पंत, विनोद शर्मा, जया गुप्ता सहित कई अन्य पत्रकारों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। पुरस्कार में सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, शाल और प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह शेखावत ने देवऋषि नारद व पत्रकारिता संदर्भ में व्याख्यान दिया। इस मौके पर घाट के बालाजी के सुदर्शनाचार्य महाराज, पंचमुखी हनुमान मंदिर के महंत रामरज त्यागी महाराज, परकोटा गणेश मंदिर महंत अमित शर्मा, विजय शंकर पांडे ने आयोजन में शिरकत की। सम्मान समारोह के पश्चात महाप्रसादी का आयोजन हुआ।

जयपुर में अंधड़ के साथ तेज बारिश, पेड़ टूटकर गाड़ियों पर गिरे

अलवर में ओले गिरे, दौसा, सीकर में भी बदला मौसम, तापमान में दर्ज की गिरावट

लोक दुडे। जयपुर

प्रदेश में लगातार मौसम करवट बदल रहा है। कभी गर्मी तो कभी बारिश, अलग अलग जिलों में ये देखने को मिल रहा है। शनिवार को आंधी-बारिश के बीच गर्मी भी जारी है। जयपुर, सीकर, कोटा सहित कई जिलों में बारिश हुई। जयपुर में बारिश के साथ आए अंधड़ से कई इलाकों में पेड़ भी गिर गए।

मौसम केंद्र जयपुर ने 16 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। मई के पहले 15 दिन मौसम में बदलाव का दौर जारी रहेगा। शुक्रवार शाम को भी अजमेर, जयपुर, नागौर के कई इलाकों में हल्की बरसात हुई थी। बाड़मेर सबसे

गर्म शहर रहा। यहां तापमान 44 डिग्री के ऊपर पहुंच गया। राज्य के अधिकांश शहरों में पारा 40 डिग्री के करीब चल रहा है।

जयपुर में दिन में अंधेरा छाया:

शनिवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे राजधानी में तेज बारिश हुई। तेज हवा के साथ हुई बरसात से गर्मी से राहत मिली है। घने बादल छाने के कारण रोशनी काफी कम हो गई। सीकर जिले के फतेहपुर में सुबह तेज बरसात ने लू और गर्मी का असर कम कर दिया। टोंक और दौसा जिले में भी रुक-रुककर बरसात का दौर जारी रहा। वही जैसे बारिश थमी तो राजधानी में गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। दोपहर 12 बजे के बाद गर्मी अपनी चरम सीमा पर थी।

पहले पखवाड़े में गर्मी से रहेगी राहत :

मौसम केंद्र निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि मई के शुरुआती दो हफ्तों में लगातार आंधी-बारिश का दौर चलेगा। सामान्यतः मई में 5 से 6 दिन आंधी-बारिश होती है, लेकिन इस बार 10 से 12 दिन दोपहर बाद मौसम अचानक बदलने के आसार हैं। तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री कम रह सकता है।

NDMA अलर्ट ट्रायल ; एक साथ मोबाइल फोन पर सायरन बजने से मची हलचल

लोक दुडे। जयपुर

शनिवार सुबह 11:45 बजे कई मोबाइल फोन पर एकसाथ सायरन की आवाज बजने से कुछ लोग हैरत में पड़ गए। सभी के मन में सवाल उठा कि ये सायरन क्यों बजा। दरअसल, यह मैसेज राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, यानी हृष्ठरू ने भेजा था, जो इमरजेंसी मोबाइल अलर्ट ट्रायल का हिस्सा है। हृष्ठरू ने इमरजेंसी में लोगों तक सूचना पहुंचाने के लिए 2 मई को इस सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम का परीक्षण किया। इस परीक्षण का उद्देश्य नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति जागरूक करना और भविष्य में किसी भी आपदा के दौरान समय पर सतर्क करना है। अलर्ट में साफ बताया गया कि यह केवल एक परीक्षण है। इस पर किसी प्रकार की कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है।

देश में ही विकसित किया गया है सचेत सिस्टम :

इमरजेंसी की स्थिति में लोगों को रियल टाइम अलर्ट देने के लिए सरकारी संस्था सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स ने इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम को विकसित किया है। सचेत नाम का यह सिस्टम कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल पर आधारित है। इसे देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक्टिव कर दिया गया है।

सेल ब्रॉडकास्ट तकनीक से रियल-टाइम अलर्ट मिलेगा :

NDMA ने मोबाइल SMS को सेल ब्रॉडकास्ट तकनीक से जोड़ा है। इससे चुने गए इलाके में एक्टिव सभी मोबाइल फोन पर एक साथ अलर्ट मिलेगा। इससे इमरजेंसी के समय रियल टाइम सूचना पहुंच सकेगी।

मानसून में नहीं डूबेगी 'केसरबाग' की पुलिया, 6.4 करोड़ के विकास कार्यों को मिली मंजूरी

नितिन मेहरा। अजमेर

AI जनरेट फोटो

शहर के निचले इलाकों को हर साल मानसून में टापू बनने से बचाने के लिए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बड़ा एक्शन प्लान तैयार किया है। देवनानी के प्रयासों से अब केसरबाग पुलिया की ऊंचाई और चौड़ाई बढ़ाने के प्रस्ताव को राज्य स्तर पर प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 6.4 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे केसरबाग और आसपास की दर्जनों कॉलोनियों को जलभराव से हमेशा के लिए मुक्ति मिलेगी। इसके साथ ही 3 करोड़ रूपए की लागत से पुलिस लाईन नाले का कायाकल्प किया जाएगा। नगर निगम ने इसके टेंडर की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है तथा आगामी 15 मई तक कार्य प्रारंभ होने की संभावना है। शहर में जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अजमेर में बारिश के समय केसरबाग और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है जिससे आमजन को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए वासुदेव देवनानी लगातार प्रयासरत रहे हैं।

गुणवत्ता के साथ समय पर हो कार्य के निर्देश :

इस परियोजना को शीघ्रता से क्रियान्वित करने हेतु विधानसभा अध्यक्ष ने अजमेर विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम के अधिकारियों के साथ समय-समय पर लगातार बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए ताकि आगामी मानसून से पूर्व शहरवासियों को इसका लाभ मिल सके। उल्लेखनीय है कि राज्य बजट वर्ष 2026-27 में अजमेर शहर के लिए 200 करोड़ रूपए की ड्रेनेज योजना को भी स्वीकृति दी गई है। देवनानी ने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्य के पूर्ण होने के बाद अजमेर शहर को जलभराव की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी।

ब्रह्मपुरी नाले का सफाई कार्य भी जल्द शुरू :

देवनानी ने नगर निगम को निर्देशित किया है कि आनासागर एस्केप चैनल की सफाई का कार्य भी अभी से शुरू किया जाए, ताकि बारिश में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं आए। इन निर्देशों के पालना में नगर निगम ने ब्रह्मपुरी नाले का सफाई कार्य शुरू भी कर दिया है।

पानी पीते ही शरीर पर पड़े लाल निशान, 16 बच्चे अस्पताल में भर्ती

बाड़मेर के सनावड़ा मेघवालों की बस्ती स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल का मामला, जाँच के लिए भेजे पानी के सैम्पल

लोक दुडे। बाड़मेर

सरकारी स्कूल में पानी पीने के बाद 16 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें खुजली होने लगी और शरीर पर जगह-जगह लाल निशान बनने लगे। बच्चों को फौरन हॉस्पिटल ले जाया गया। यह पूरा मामला बाड़मेर जिले के सनावड़ा मेघवालों की ब?स्ती स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल का है। बच्चों को पहले सनवाड़ा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से बाड़मेर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 10 बजे पानी पीने के बाद अचानक बच्चों की तबीयत बिगड़ गई थी। बच्चों ने बताया कि स्कूल में खुला टैंक है, उसी का पानी पीते हैं। पानी पीने के बाद ही इनकी तबीयत बिगड़ी है। उधर, बच्चों ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को बताया कि पानी पीने के बाद स्कूल के बाहर बिकने वाली 'चुस्की' खाई थी।

लंच से पहले अचानक बिगड़ने लगी तबीयत :

स्कूल स्टाफ ने बताया- शनिवार को 'नो बैग-डे' था। बच्चे स्कूल में मौजूद थे। लंच से पहले एक बच्ची के शरीर पर खुजली होने लगी। उसके बाद खुजली वाली जगह पर लाल निशान बनने लगे। बच्ची के पेरेंट्स को बुलाकर उसे हॉस्पिटल भेजा गया। इलाज के कुछ देर बाद तीन से चार बच्चों की और तबीयत खराब होने लगी। कुछ ही देर में ऐसे करीब 16 और बच्चे सामने आए। फौरन एम्बुलेंस बुलवाकर सभी बच्चों सनावड़ा हॉस्पिटल पहुंचाया गया। यहां से बच्चों को बाड़मेर हॉस्पिटल लाया गया।

अधिकारी मौके पर पहुंचे :

जैसे ही बच्चों के बीमार होने की जानकारी मिली अधिकारी भी हॉस्पिटल पहुंच गए। जिला शिक्षा अधिकारी देवाराम चौधरी का कहना है कि बच्चे घर से खाना खाकर आए थे। स्कूल में पोषाहार पक रहा था। उससे पहले ही तबीयत बिगड़ गई। पीएमओ हनुमान चौधरी का कहना है कि बच्चों की तबीयत ठीक है। एतिहायात के तौर पर भर्ती कर दिया गया है।

इन बच्चों का चल रहा इलाज :

10 छात्राएं और 3 छात्रों को बाड़मेर के सरकारी हॉस्पिटल में एड?मिट करवाया गया है। छात्रा खुशबू (14), जयश्री (5), केलम (7), गुड़िया (13), जशोदा (14), कविता (12), जागृति (11), लीला (14), वर्षा (11) , कविता (11), देवी (12), मनीष (10), पुखराज (13), स्वरूप (11), भवेंद्र (7) और मोहित (8) का इलाज चल रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रिक, प्रकाशन, संपादक - नीरज मेहरा द्वारा बोनस ग्राफिक्स, लक्ष्मी नगर, हटवाड़ा मार्ग, अजमेर रोड, जयपुर - 302006 से मुद्रिक एवं 141, दयानन्द नगर, फेज प्रथम झेलना डूंगरी गली नंबर 19, थाना गांधी नगर, जयपुर (राज.) प्रकाशित प्रबंध संपादक - पी.के.बृजवाल, 9950325930, 9571635930 (कानूनी सलाहकार एडवोकेट कैलाशनाथ भट्ट)